पाठ- 2

दादी माँ

शब्दार्थ

1.) अनमना → मन एक जगह न लगना
2.) शुभचिंतक → अच्छा चाहने वाला

3.) ~~[illegible]~~ बरबस → अचानक
4.) शरद → सर्दी

5.) क्वार → महीने का ~~[illegible]~~ नाम
6.) जलाशयों → तालाबों में

7.) ~~[illegible]~~ → ~~अभी - अभी~~
8.) कुनैन → दवाई का नाम

9.) विलम्ब → देरी
10.) विह्वल → बेचैन

11.) उरिन → उऋण
12.) वात्याचक्र → वायुचक्र

13.) अतुल → बहुत ज्यादा, जिसकी तुलना न की जा सके
14.) पछुआ → पश्चिम दिशा की तरफ से चलने वाली वायु

15.) घिनौनी → घृणा योग्य
16.) पांखे → पंख

पाठ -2

दादी माँ

प्र० 1.) लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ-साथ बचपन की और किन-किन बातों की याद आ जाती है?

लेखक को दादी माँ ~~के~~ की याद के साथ-साथ गाँव के कई दृश्यो की याद आती है। जैसे- पानी के साथ बहकर आई हुई अनेक प्रकार की घास सूर्य की गर्मी ~~के~~ अजीब सी गंध छोड़ती थी। इसके इलावा रास्तो मे सूखा कीचड़ और पानी से भरे तालाबो मे कूदना याद आता है। आषाढ व चैत मास मे आम, जामुन, गुड़ की पट्टी, चिउड़ा तथा बीमार होने पर दादी माँ की दिन-रात सेवा करना और भैया की शादी मे औरतो के द्वारा गाए जाने वाले गीत आदि सब कुछ याद आता है।

~~और सब याद आ जाते है~~ ।

प्र० 2.) दादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गई?

उ० 2.) दादा ~~ब~~ जी की मृत्यु के बाद घर की आर्थिक स्थिति ~~खराब~~ इसलिए खराब हो गई कि पिताजी ने धन का सही तरीके से ~~इस्त इस्त~~ इस्तेमाल नहीं किया। धोखेबाज मित्रों की संगत मे ~~रह~~ रहकर सारा धन बर्बाद कर दिया। और दादा जी के श्राद्ध में काफी धन खर्च कर दिया।

~~उ०~~ प्र० 3.) दादी माँ के स्वभाव का कौन-सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों?

उ० 3.) लेखक की दादी धैर्यवान, परोपकारी, सेवा भावना से भरपूर, सहयोगी और स्नेहभाव रखने वाली महिला है। वह मुसीबत के समय भी हिम्मत नहीं हारती। वह बहुत ही ~~महे~~ मेहनती महिला है।

Scanned with CamScanner

भाषा की बात

प्र० 1) समानता का बोध कराने के लिए सा, से, सी का प्रयोग किया जाता है ऐसे पाँच और शब्द लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उ० 1) धरती → सी सहनशील
वाक्य → माँ धरती सी सहनशील होती है।

* सागर → सा गहरा
वाक्य → कबीर जी का ज्ञान सागर सा गहरा था।

* दबे → दबे से
वाक्य → शिकारी दबे-दबे से कदमों के साथ चल रहा था।

* सुंदर - सा मुखड़ा
वाक्य → उस बच्चे का सुंदर-सा मुखड़ा मुझे हर समय याद आता है।

* धीरे → धीरे से चलना
वाक्य → वायु धीरे-धीरे से चल रही है।

प्र० 2) कहानी में 'छू-छू कर' ज्वर का अनुमान करती, पुछ, पुछकर घरवालों को परेशान कर देती' - जैसे वाक्य आए हैं। किसी क्रिया को जोर देकर कहने के लिए एक से अधिक बार एक ही शब्द का प्रयोग होता है। इस प्रकार के पाँच वाक्य बनाइए।

उ० 2) ① सिपाही ने चोर को जोर-जोर से पीटा।
② जिंदगी में मनुष्य को कदम-कदम पर मुसीबतों का सामना करना पड़ता है।
③ ग्रामीणों ने चोर को पीट-पीट कर मार डाला।
④ हम हार-हार कर भी जीने की कोशिश करते रहना चाहिए।
⑤ प्रेमी-प्रेमिका प्यार करते-करते एक दूसरे में खो गए।

Scanned with CamScanner

उ० 3.)

बोली में प्रयुक्त शब्द	मानक रूप
~~परमेस्वर~~ परमेस्सर	परमेश्वर
चंदा	चन्द्र
आसाढ़	आषाढ़
चैत	चैत्र
जोगी	योगी
मूरत	मूर्ति
भगत	भक्त
पग	पद
पछीत	पीछे
उगदा	उगता

Scanned with CamScanner